PRGI. No.: MHMUL/25/A2419

प्यूपिल्स टाइम्स

PUPILS TIMES

Volume : 1 ▸ Issue : 5 ▸ Mumbai ▸ Friday, 6 March to 12 March 2026 ▸ Weekly ▸ Pages: 8 ▸ Price : 3 Rs.

मोदी का इस्राइल दौरा: रणनीति और विवाद

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस्राइल दौरा केवल औपचारिक नहीं, बल्कि राजनीतिक और रणनीतिक घनिष्ठता का प्रतीक है। उनका स्वागत नेतन्याहू और उनकी पत्नी ने गर्मजोशी से किया। इस दौरे में 17 समझौता और 10 घोषणाएँ हुईं, जिनमें अक् क्वांटम कंप्यूटिंग, सुरक्षा तकनीक, कृषि और खनिज में सहयोग शामिल है। लेकिन गाजा और वेस्ट बैंक में हिंसा और अंतरराष्ट्रीय आलोचना के बीच दौरा विवादास्पद भी माना जा रहा है। विपक्ष ने समय और नैतिक दृष्टिकोण पर सवाल उठाए हैं।

भारत-इस्राइल संबंध अब विशेष रणनीतिक साझेदारी में बदल चुके हैं, जो सुरक्षा, तकनीकी और आर्थिक हितों को मजबूत करता है। मोदी का दौरा भारत की मध्य पूर्व और वैश्विक दक्षिण में सक्रिय भूमिका को रेखांकित करता है।

पीएम मोदी को पता नहीं था हमला होगा – इजराइली राजदूत

इजराइल के राजदूत ने स्पष्ट कहा है कि भारत के प्रधानमंत्री को उनके इजराइल दौरे के दौरान या उससे पहले ईरान पर हुए संयुक्त इजराइल-अमेरिका हमले की कोई पूर्व जानकारी नहीं दी गई थी। उन्होंने कहा कि यह सैन्य कार्रवाई ऑपरेशनल अवसर मिलने के बाद की गई और उस समय तक प्रधानमंत्री मोदी इजराइल से वापस जा चुके थे। राजदूत ने बताया कि हमले का निर्णय पहले से तय कार्यक्रम का हिस्सा नहीं था, बल्कि यह वास्तविक समय की खुफिया जानकारी और सुरक्षा आकलन के आधार पर लिया गया।

उन्होंने कहा कि किसी भी देश को पहले से जानकारी देने का सवाल ही नहीं था क्योंकि हमले की समय-सीमा पहले से निर्धारित नहीं थी।

भारत में खुलेंगे 19 विदेशी विश्वविद्यालयों के कैंपस

फीस होगी बेहद कम; कब से होंगे एडमिशन?

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली - देश में अपने कैंपस खोल रहे विदेशी विश्वविद्यालयों में छात्रों को इन विश्वविद्यालयों के विदेशी कैंपस के मुकाबले आधी या उससे कम फीस ही चुकानी होगी। शिक्षा मंत्रालय का दावा है कि इनमें से कुछ कोर्सों की फीस विदेशी कैंपस के मुकाबले 25 प्रतिशत तक रहेगी। यानी यदि विदेशी कैंपस में सौ रुपए फीस ले रहे है तो देश में 25 रुपए की फीस लेकर दाखिला देंगे।

अबतक देश में 19 विदेशी विश्वविद्यालयों को कैंपस खोलने की अनुमति दी जा चुकी है। इनमें से पांच विदेशी विश्वविद्यालयों को गुजरात के गिफ्ट सिटी में खोलने की अनुमति दी गई है। शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक देश में विदेशी विश्वविद्यालयों को इस शर्त पर कैंपस खोलने की अनुमति दी जा रही है कि वह भारतीय छात्रों को अपने विदेशी कैंपस के मुकाबले आधी या उससे भी कम फीस पर पढ़ाएंगे। यह बात अलग है कि अभी जिन 19 विदेशी विश्वविद्यालयों को देश में अपने कैंपस खोलने की अनुमति दी गई है, उनमें से गिफ्ट सिटी में दो और उससे बाहर गुरुग्राम में एक विदेशी विश्वविद्यालय ने ही शैक्षणिक गतिविधियां शुरू की है। इनमें से प्रत्येक की क्षमता डेढ़ से दो सौ सीटों तक ही है।

साढ़े तीन से चार हजार छात्र ही पढ़ सकेंगे

यह बात अलग है कि इन सभी विदेशी विश्वविद्यालयों के कैंपस शुरू होने में डेढ़ से दो साल का समय लग सकता है। साथ ही यदि ये सभी डेढ़ से दो सौ सीटों की कुल क्षमता के साथ ही शुरू होते है तो इनमें अधिकतम साढ़े तीन से चार हजार छात्र ही पढ़ सकेंगे।

गौरतलब है कि देश में विदेशी विश्वविद्यालयों को कैंपस खोलने की अनुमति देने के क्रम में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने इस महीने पांच नए विश्वविद्यालयों को अनुमति दी है। इनमें क्वीन्स यूनिवर्सिटी ऑफ बेलफास्ट यूके, कोवेंट्री विश्वविद्यालय यूके, सरे विश्वविद्यालय यूके, इलिनोइस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अमेरिका व आईईडी, इटली शामिल है।

बीएमसी में 9,000 पदों के लिए मेगा भर्ती

70,000 पोस्ट भरने के लिए बड़े पैमाने पर राज्य सरकार की भर्ती

मुंबई - बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन अलग-अलग डिपार्टमेंट में 56,000 से ज्यादा खाली पोस्ट से जूझ रहा है, जिससे भर्ती में तेजी लाने और सिविक एडमिनिस्ट्रेशन को मजबूत करने की फिर से मांग उठ रही है।

ऑफिशियल डेटा के मुताबिक, सिविक बॉडी में कुल मंजूर पोस्ट लगभग 1.45 लाख हैं। इनमें से, अभी लगभग 89,000 पोस्ट भरी हुई हैं, जबकि लगभग 56,000 खाली हैं। सिविक अधिकारियों ने बताया कि कई पोस्ट के लिए भर्ती प्रोसेस पहले से ही चल रहा है, हजारों पोस्ट पर भर्ती के अलग-अलग स्टेज हैं और कुछ अपॉइंटमेंट पहले ही पूरे हो चुके हैं।

देवेंद्र फडणवीस के 70,000 पोस्ट भरने के लिए बड़े पैमाने पर राज्य सरकार की भर्ती ड्राइव के ऐलान के बाद इस मुद्दे पर ध्यान गया है। इस बैकग्राउंड में, एम्प्लॉई यूनियन और सिविक रिप्रेजेंटेटिव ने इटउ से अपील की है कि वह जरूरी डिपार्टमेंट पर असर डालने वाले स्टाफ की कमी को दूर करने के लिए अपनी हायरिंग प्रोसेस में तेजी लाए। अधिकारियों ने बताया कि डिपार्टमेंट की जरूरतों और एडमिनिस्ट्रेटिव प्रायोरिटी के आधार पर भर्ती फेज में की जाएगी। हाल ही में हुए म्युनिसिपल बजट एक्सरसाइज के हिस्से के तौर पर सिविक बॉडी अपने ऑर्गेनाइजेशनल स्ट्रक्चर का भी रिव्यू कर रही है, जिसका मकसद कामकाज को आसान बनाना और मैनपावर का सबसे अच्छा इस्तेमाल पक्का करना है।

बड़ी संख्या में खाली पोस्ट ने जरूरी सर्विसेज पर पड़ने वाले असर को लेकर चिंता बढ़ा दी है, और स्टेकहोल्डर्स ने मुंबई के सिविक एडमिनिस्ट्रेशन में कुशलता बनाए रखने के लिए समय पर अपॉइंटमेंट की जरूरत पर जोर दिया है।

जागरूक समाज, सशक्त भविष्य: जनसहभागिता का संदेश

Shivprakash Pandey
Chief Publisher
PUPILS TIMES

हम Pupils Times की ओर से आपके समक्ष एक महत्वपूर्ण विषय प्रस्तुत कर रहे हैं, जो हमारे समाज और स्थानीय समुदाय की प्रगति से संबंधित है। यह पत्र आपके लिए दिशा-निर्देश और जानकारी का माध्यम है, ताकि आप जागरूक होकर समाज के विकास में सहभागी बन सकें।

समाज में सहभागिता और समन्वय

स्थानीय योजनाओं और परियोजनाओं को सफल बनाने के लिए समाज के प्रत्येक सदस्य की भागीदारी आवश्यक है। जब हम सभी मिलकर सहयोग करते हैं और सुझाव साझा करते हैं, तो यह न केवल कार्यों को तेज और प्रभावी बनाता है, बल्कि समुदाय में विश्वास और आपसी समझ भी बढ़ाता है।

तकनीक और प्रशासन में सुधार

आज की आधुनिक दुनिया में तकनीकी उपकरणों और पारदर्शी प्रशासनिक पद्धतियों का उपयोग परियोजनाओं को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इससे संसाधनों का सही और न्यायपूर्ण उपयोग सुनिश्चित होता है।

मूल्यांकन और निगरानी

हमारे प्रयासों की सफलता के लिए समय-समय पर योजनाओं का मूल्यांकन और निगरानी आवश्यक है। यह हमें बताता है कि कौन से क्षेत्र में सुधार की आवश्यकता है और कैसे हम चुनौतियों का सामना कर सकते हैं।

सतत विकास और प्रशिक्षण

स्थानीय श्रमिकों और कर्मचारियों के लिए निरंतर प्रशिक्षण और मार्गदर्शन आवश्यक है। इससे वे नई तकनीकों और कार्य पद्धतियों को सीखकर समाज में योगदान दे सकते हैं और अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं।

प्रिय पाठकों, इस पत्र का उद्देश्य केवल जानकारी देना ही नहीं, बल्कि आपको समाज की प्रगति में सहभागी बनने के लिए प्रेरित करना भी है। जब हम सब मिलकर छोटे-छोटे प्रयास करते हैं, तो उनका बड़ा असर हमारे समाज और आने वाली पीढ़ियों पर पड़ता है।

हम आपसे अनुरोध करते हैं कि इन सुझावों और दिशा-निर्देशों को अपनाएं, अपने समुदाय के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं और समाज को सशक्त बनाएं।

प्यूपिल्स टाइम्स

संपादकीय

विश्व अर्थव्यवस्था पर युद्ध का नकारात्मक प्रभाव

ईरान के खिलाफ इजरायल-अमेरिका की संयुक्त सैन्य कार्रवाई फिलहाल किसी नतीजे पर पहुंचती नहीं दिख रही है। न तो इजरायल-अमेरिका के हमले थम रहे हैं और न ही ईरान की जवाबी कार्रवाई। भले ही ट्रंप यह कह रहे हों कि ईरान वार्ता के लिए राजी हो गया है, पर ईरानी नेता इससे साफ इन्कार कर रहे हैं। कहना कठिन है कि यह सैन्य टकराव कब और कैसे खत्म होगा, क्योंकि इसके आसार नहीं कि ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की मौत से वहां सत्ता परिवर्तन सुनिश्चित हो गया है। ईरान फिलहाल भले ही नेतृत्व विहीन सा दिख रहा हो, लेकिन उसकी सेना और विशेष रूप से इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कोर अपने कदम पीछे खींचने के लिए तैयार नहीं। वह इजरायल और अमेरिका के ठिकानों को निशाना बनाने के साथ खाड़ी के देशों के नागरिक क्षेत्रों में भी ड्रोन और मिसाइलें दाग रही है। इससे इन देशों में अफरा-तफरी का माहौल है। पता नहीं ईरान पड़ोसी देशों के नागरिक ठिकानों को किस मकसद से निशाना बना रहा है, क्योंकि इससे वह अपने विरोधी तो बढ़ा ही रहा है, पहले से अधिक अलग-थलग भी पड़ता जा रहा है। ईरान जिस तरह ऊर्जा आपूर्ति के मार्गों और विशेष रूप से होर्मुज जल मार्ग के लिए खतरे पैदा कर रहा है, उससे तेल और गैस की आपूर्ति पर असर पड़ना शुरू हो गया है। यह समुद्री जल मार्ग लगभग 25 प्रतिशत तेल और 30 प्रतिशत एलएनजी आपूर्ति का रास्ता है, जो इसे वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बनाता है। इस जल मार्ग के बाधित होने का मतलब है तेल और गैस के दाम बढ़ना और एशिया, यूरोप समेत दुनिया के अन्य हिस्सों की अर्थव्यवस्था प्रभावित होना। यह ध्यान रहे कि तेल के दाम बढ़ने शुरू हो गए हैं। यदि वे इसी तरह बढ़ते रहे तो पहले से ही अनिश्चितता से गुजर रही विश्व अर्थव्यवस्था का संकट और बढ़ जाएगा। इसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ही जिम्मेदार होंगे, क्योंकि यह एक तथ्य है कि इजरायल अमेरिका की सहमति और सहायता के बिना ईरान पर हमला बोलने की स्थिति में नहीं था। इस विनाशकारी सैन्य टकराव का केंद्र बिंदु भले ही पश्चिम एशिया हो, लेकिन उससे पूरा विश्व प्रभावित हो रहा है। कठिनाई यह है कि कोई भी बीच-बचाव करने की स्थिति में नहीं। यह सैन्य संघर्ष जितनी जल्दी थमे, उतना ही पश्चिम एशिया समेत विश्व के लिए अच्छा, लेकिन इसकी सूरत तब बनेगी, जब दोनों पक्ष यह समझेंगे कि वे अपनी ही नहीं चला सकते। ईरान भले ही इजरायल-अमेरिका को सबक सिखाने का दम भर रहा हो, लेकिन वह इन दोनों देशों की सैन्य शक्ति का लंबे समय तक सामना करने की स्थिति में नहीं। इसी तरह अमेरिका और इजरायल के लिए यह आसान नहीं कि वे ईरान में आनन-फानन सत्ता परिवर्तन कर सकें।

ग्रामीण भारत की नारी शक्ति

(Pupils Times - विशेष अध्ययन)

ग्रामीण भारत की महिलाएँ आज परिवर्तन की अग्रिम पंक्ति में खड़ी हैं। वे केवल खेतों में श्रम करने वाली 'अदृश्य कार्यकर्ता' नहीं रहीं, बल्कि निर्णय-प्रक्रिया की सहभागी, उद्यमिता की प्रवर्तक, पर्यावरण संरक्षण की प्रहरी और स्थानीय लोकतंत्र की आधारशिला बन चुकी हैं। यह लेख ग्रामीण महिलाओं की प्रेरक यात्राओं को नीति-विश्लेषण, सामाजिक आँकड़ों और संरचनात्मक परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में समझने का प्रयास है।

स्थानीय शासन और लोकतांत्रिक नेतृत्व

Chhavi Rajawat - पंचायत में पेशेवर दृष्टि

राजस्थान के सोडा गाँव की पूर्व सरपंच छवि राजावत ने कॉर्पोरेट करियर छोड़कर ग्राम प्रशासन

संभाला। उनके नेतृत्व में जल-संचयन, स्वच्छता और डिजिटल रिकॉर्ड प्रबंधन जैसे प्रयास हुए।

नीति-विश्लेषण

73वें संविधान संशोधन (1992) के बाद पंचायतों में महिलाओं को न्यूनतम 33% आरक्षण मिला; कई राज्यों में यह 50% है। शोध संकेत देते हैं कि महिला नेतृत्व वाली पंचायतों में पेयजल, स्वास्थ्य और शिक्षा संबंधी परियोजनाओं पर अपेक्षाकृत अधिक ध्यान दिया गया।

चुनौतियाँः प्रॉक्सी सरपंच की समस्या, प्रशासनिक प्रशिक्षण का अभाव, वित्तीय स्वायत्तता की कमी।

निष्कर्ष : यदि पंचायत प्रतिनिधियों के लिए प्रशिक्षण और डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ाया जाए, तो महिला नेतृत्व ग्रामीण प्रशासन की गुणवत्ता को और सुदृढ़ कर सकता है।

वित्तीय समावेशन और महिला उद्यमिता

Chetna Gala Sinha - **ग्रामीण बैंकिंग की नई परिकल्पना**

महाराष्ट्र में मान देशी महिला बैंक की स्थापना कर चेतना सिन्हा ने ग्रामीण महिलाओं के लिए औपचारिक बैंकिंग के द्वार खोले। सूक्ष्म ऋण, वित्तीय प्रशिक्षण और उद्यमिता विकास ने हजारों महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाया।

नीति-विश्लेषण

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत करोड़ों महिलाएँ स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं। SHG मॉडल ने बचत की संस्कृति और सामूहिक उत्तरदायित्व को बढ़ाया। डिजिटल भुगतान और जनधन खातों ने वित्तीय पहुँच आसान की।

चुनौतीः बाजार तक पहुँच, उत्पाद गुणवत्ता मानकीकरण और ई-कॉमर्स प्रशिक्षण की कमी।

सुझावः ग्रामीण महिला उद्यमों के लिए ब्रांडिंग, पैकेजिंग और निर्यात-सहायता योजनाएँ विकसित की जानी चाहिए।

पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक नेतृत्व

Jamuna Tudu - जंगलों की प्रहरी

झारखंड की जमुना टुडू ने अवैध कटाई के विरुद्ध महिलाओं को संगठित कर सामुदायिक वन संरक्षण की मिसाल प्रस्तुत की। ग्रामीण महिलाएँ जल, ईंधन और चारे के लिए प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर हैं। वनाधिकार कानून और सामुदायिक सहभागिता से महिलाओं की भूमिका सशक्त हुई है। पर्यावरण संरक्षण में महिला नेतृत्व टिकाऊ विकास का आधार बन सकता है।

कृषि और खाद्य सुरक्षा में महिला योगदान

Rajkumari Devi – **किसान चाची की नवाचारी राह**

बिहार की राजकुमारी देवी ने जैविक खेती और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के माध्यम से महिला किसानों को बाजार से जोड़ा।

नीति-परिप्रेक्ष्य

कृषि में महिलाओं की भागीदारी 30-40% से अधिक आँकी जाती है, परंतु भूमि स्वामित्व कम है। महिला किसान क्रेडिट कार्ड, प्रशिक्षण और किसान उत्पादक संगठनों में प्रतिनिधित्व बढ़ाना आवश्यक है। कृषि-मूल्य श्रृंखला में महिलाओं की भागीदारी आय वृद्धि का प्रमुख साधन हो सकती है।

खेल और सामाजिक रूढ़ियों का विघटन

Hima Das - ग्रामीण प्रतिभा का वैश्विक मंच

असम के किसान परिवार से निकलकर अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीतने वाली हिमा दास ग्रामीण भारत की संभावनाओं का प्रतीक हैं।

विश्लेषण

खेल अवसंरचना का ग्रामीण विस्तार आवश्यक है।

बालिकाओं के लिए पोषण, प्रशिक्षण और सुरक्षित परिवेश सुनिश्चित करना होगा। खेल सफलता सामाजिक रूढ़ियों को तोड़ने का प्रभावी माध्यम है।

संरचनात्मक कारक : व्यापक दृष्टि

शिक्षा और डिजिटल साक्षरता

कन्या शिक्षा में वृद्धि ने आत्मविश्वास और निर्णय-क्षमता बढ़ाई है। डिजिटल इंडिया अभियान ने ग्रामीण महिलाओं को ऑनलाइन बाजार, बैंकिंग और सूचना तक पहुँच प्रदान की।

स्वास्थ्य और पोषण

आँगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं की भूमिका ग्रामीण महिला स्वास्थ्य में केंद्रीय है। मातृ-स्वास्थ्य कार्यक्रमों ने सकारात्मक परिणाम दिए हैं, परंतु कुपोषण और एनीमिया अभी भी चुनौती हैं।

सामाजिक चेतना और स्वयं-संगठन

महिला मंडल, SHG और किसान समूह सामूहिक नेतृत्व का आधार बने हैं। सामुदायिक समर्थन से सामाजिक परिवर्तन स्थायी होता है।

प्रमुख चुनौतियाँ

- **पितृसत्तात्मक सोच**
- **वेतन असमानता**
- **भूमि अधिकार की कमी**
- **तकनीकी प्रशिक्षण का अभाव**
- **नीतिगत सुझाव**
- **महिला भूमि स्वामित्व बढ़ाने हेतु कानूनी जागरूकता अभियान**
- **ग्रामीण महिला उद्यमों के लिए ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म**
- **पंचायत प्रतिनिधियों के लिए अनिवार्य प्रशासनिक प्रशिक्षण**
- **खेल और कौशल विकास केंद्रों की स्थापना**
- **महिला स्वास्थ्य और पोषण कार्यक्रमों का सुदृढ़ क्रियान्वयन**

समावेशी विकास की आधारशिला

ग्रामीण भारत की प्रेरक महिलाएँ यह सिद्ध कर रही हैं कि परिवर्तन का स्रोत केवल महानगर नहीं, बल्कि गाँव की धरती भी हो सकती है। वे लोकतंत्र को जमीनी स्तर पर मजबूत कर रही हैं, आर्थिक विकास को गति दे रही हैं और पर्यावरण संरक्षण की नई मिसाल स्थापित कर रही हैं।

यदि शिक्षा, वित्तीय संसाधन, तकनीकी प्रशिक्षण और सामाजिक समर्थन को व्यवस्थित रूप से बढ़ाया जाए, तो ग्रामीण नारी शक्ति भारत के समावेशी और टिकाऊ विकास की सबसे बड़ी शक्ति बन सकती है। ग्रामीण महिला अब 'परिवर्तन की प्रतीक्षा' नहीं करती – वह स्वयं परिवर्तन का नेतृत्व कर रही है।

1 लाख से अधिक स्कूलों में 1.2 करोड़ बच्चों का बायोमेट्रिक अपडेट पूरा

मुंबई - भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने छह महीने के भीतर देशभर के एक लाख से अधिक स्कूलों में अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट का अभियान पूरा कर लिया है। इस अभियान से करीब 1.2 करोड़ स्कूली बच्चों को फायदा मिला है।

इस अभियान के तहत सात से 15 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए आधार में फिंगर प्रिंट एवं आंखों की पुतलियों के स्कैन को अपडेट करने की सुविधा अक्टूबर, 2025 से एक वर्ष की अवधि के लिए मुफ्त रखी गई है। अभियान के दौरान स्कूलों में विशेष शिविर आयोजित किए गए, जिससे बच्चों को अपने स्कूल परिसर में ही आधार संबंधी बायोमेट्रिक डाटा को अपडेट कराने की सुविधा मिली। यूआईडीएआई ने बताया कि अब तक 1,03,000 से अधिक स्कूलों में यह प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। इसके

अलावा बच्चे देशभर के किसी भी आधार नामांकन केंद्र या आधार सेवा केंद्र पर जाकर भी अपने बायोमेट्रिक को अपडेट करा सकते हैं। इस प्रक्रिया के तहत बच्चों के फिंगर प्रिंट और आंखों की पुतलियों के डाटा को पांच वर्ष और फिर 15 वर्ष की आयु पूरी होने पर अपडेट कराना अनिवार्य होता है।

इसकी वजह यह है कि पांच वर्ष से कम उम्र में ये बायोमेट्रिक इंडीकेटर पूरी तरह डेवलप नहीं होते हैं। यूआईडीएआई ने कहा कि यह कदम बच्चों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, छात्रवृत्ति और प्रतियोगी और विश्वविद्यालय परीक्षाओं जैसे नीट, जेईई, सीयूईटी में रजिस्ट्रेशन के दौरान पहचान सत्यापन में मददगार होगा। यूआईडीएआई के अनुसार, बच्चों का आधार पांच साल होने के बाद पहली बार और 15 साल के होने के बाद दूसरी बार आधार केंद्र जाकर बायोमीट्रिक अपडेट कराने की जरूरत होती है।

आओ खेलें

1			5		4			9	3		E		G	7	A
	E		7		9	1		F		A	6	2	4		D
G	6	4	B				E	D	8		2	9		3	
F									C	5		B		1	
	5		C			D		B	2		9	8			
B	8			5	7				F	C					G
A			9	8			1	G	E		4		C		
		3		C		9	A					1			F
				9				7	6	G	C	D	2	E	5
5	1	7					D				B	C	8	F	6
		6	D		C	G		1			F	A	3		
			F		E	8		2		D	5				7
7	F		2		B	3				9	8		A		4
D	C	5	1	6			7	E				G			3
8				2	D				7		G	F	5		1
	4		6		G	5	F		1		3		D	8	B

प्यूपिल्स टाइम्स

ईरान-इजराइल-अमेरिका युद्ध के बीच दुबई में फंसे महाराष्ट्र के 164 लोग

एकनाथ शिंदे ने 2 स्पेशल प्लेन से कराई वापसी

मुंबई - ईरान-इस्राइल-अमेरिका के बीच जंग के कारण दुबई सहित यूएई में महाराष्ट्र के कई नागरिक फंस गए थे। इन्हें वापस लाने के लिए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दो विशेष विमानो की व्यवस्था की थी। उन्होनें संकट में फसे महाराष्ट्र के नागरिकों से खुद संपर्क किया और उनकी सुरक्षित वापसी के लिए विशेष विमानों की व्यवस्था की। अब इन विमानों से 164 यात्रियों को वाफ्स लाया गया है। इन विमानों में पुणे के इंदिरा स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज के 84 छात्र, साथ ही ठाणे, मुरबाड, अहिल्यानगर के नागरिक शामिल हैं।

ठाणे में धुली वंदना (धूलिवंदन) के अवसर पर बोलते हुए एकनाथ शिंदे ने यह जानकारी दी। उन्होंने महाराष्ट्र के लोगों को धुली वंदना और रंग पंचमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मां जगदंबा के चरणों में प्रार्थना है कि सभी का जीवन स्वास्थ्य, खुशी और रंगों की चमक से भरा रहे। किसानों, मजदूरों, मेहनतकशों, युवाओं, बुजुर्गों समेत हर किसी की जिंदगी में सुख-शांति हो।

इस मौके पर उन्होंने शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरेऔर धर्मवीर आनंद दिघे की तस्वीरों पर श्रद्धांजलि अर्पित की। आनंद आश्रम जाकर उन्होंने कहा कि ठाणे 'त्योहारों का पंढरी' है। आनंद दिघे ने ठाणे में गणेशोत्सव, नवरात्रि, गोविंदा, होली और धुली वंदन जैसी परंपराओं को मजबूत किया और पूरे महाराष्ट्र में फैलाया।

हालांकि, इस साल त्योहार फीके पड़ गए क्योंकि पूर्व उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की दुखद मौत और शिवसेना के कुछ कार्यकर्ताओं के परिवारों में शोक की घटनाएं हुईं। शिंदे ने स्पष्ट किया कि जश्न से बचकर परंपराओं को बचाने पर जोर दिया जा रहा है। त्योहार सादगी से मनाए जाएंगे। उन्होंने लोगों से अपील की कि नेचुरल रंगों का इस्तेमाल करें और केमिकल रंगों से बचें। सरकार की इस अपील पर अच्छा रिस्पॉन्स मिला है और केमिकल रंगों का उपयोग काफी कम हुआ है।

दुबई संकट पर शिंदे ने बताया कि पिछले दो दिनों में फंसे लोगों ने उनसे संपर्क किया। उन्होंने फोन पर बात कर भरोसा दिलाया। दुबई में महाराष्ट्र मंडल के पदाधिकारी, डॉक्टर संजीव पैठणकर और युवा सेना के राहुल कनाल लगातार पर्यटकों व छात्रों से जुड़े रहे। फ्लाइट्स अचानक कैंसल होने से दिक्कतें हुईं, इसलिए शिवसेना और राज्य सरकार ने दो स्पेशल प्लेन (फुजैराह एयरपोर्ट से) भेजे। ये प्लेन शाम तक मुंबई पहुंच गए। इसमें पुणे, ठाणे, मुरबाद, शहापुर, अहिल्यानगर, मुंबई आदि के करीब 164 लोग शामिल हैं, जिनमें 84 पुणे के छात्र भी हैं। राज्य सरकार ने सभी जरूरी इंतजाम किए।

शिंदे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विदेश में फंसे भारतीयों के लिए कदम उठाए हैं। नागरिक घबराएं नहीं। होटल मालिकों से भी संपर्क कर कोई परेशानी न हो, यह सुनिश्चित किया गया है। एक खास मामला मराठी एक्ट्रेस विशाखा सुभेदार का है।

मुंबई के पार्कों-मैदानों में नशा करने वालों की खैर नहीं

बीएमसी और पुलिस लेगी बड़ा एक्शन

मुंबई - मुंबई के खेल मैदान, उद्यान, मनोरंजन मैदान में अक्सर नशा करते हुए दिख जात है। शाम होते ही और बुरा हाल हो जाता है। इस समस्या को मुंबई के विधायक सदन में लगातार उठा रहे हैं। शनिवार को विधायकों के नाराजगी प्रकट करने पर मंत्री शंभूराज देसाई ने ऐलान किया कि बीएमसी, मुंबई पुलिस मिलकर संयुक्त अभियान चलाएगी। सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए सार्वजनिक उद्यानों में सुरक्षा व्यवस्था को उन्नत किया जाएगा और महाराष्ट्र पूर्व सैनिक निगम (एमईएससीओ) से कर्मियों को वहां तैनात किया जाएगा।

विधानसभा में चांदिवली के विधायक दिलीप लांडे, अबू आसिम आजमी, अमित साटम, मुरजी पटेल, मनीषा चौधरी सहित अन्य विधायकों ने शहर के सार्वजनिक उद्यानों में मादक पदार्थों के खतरे का मुद्दा उठाया। दिलीप लांडे सहित सभी विधायकों ने उद्यानों और खुले स्थानों को नशाखोरी से मुक्त कराने के लिए सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि गार्डन में सुबह सैर करने वालों को दुर्गंध का सामना करना पड़ता है। लोगों को बिखरी शराब की बोतलों और सिगरेट के पैकेटों के बीच से होकर गुजरना पड़ता है। विधायकों ने सुझाव दिया कि उद्यानों में रात भर बिजली की आपूर्ति की जाए। साथ ही वहां सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने और उसका लिंक स्थानीय पुलिस स्टेशनों को दिया जाए। विधायकों ने दावा किया कि नशा करने वाले लोग सार्वजनिक शौचालयों का भी इस्तेमाल करते हैं।

विधायकों के सवालों का जवाब देते हुए मंत्री देसाई ने कहा कि मुंबई महानगर में कुल 895 उद्यान हैं। सभी उद्यानों में सुरक्षा गार्ड शिफ्ट में काम करते हैं, लेकिन नशा करने वालों की संख्या सुरक्षाकर्मियों से कहीं अधिक है जिससे सुरक्षा संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं। उन्होंने कहा कि बीएमसी और पुलिस की ओर से सार्वजनिक उद्यानों और खुले स्थानों पर मादक पदार्थों के खतरे से निपटने के लिए एक संयुक्त अभियान शुरू किया जाएगा।

मुंबई में आईएसआईएस कनेक्शन की जांच तेज

कुर्ला और गोवंडी समेत तीन ठिकानों पर महाराष्ट्र एटीएस की छापेमारी

मुंबई - मुंबई में आतंक से जुड़े एक मामले में महाराष्ट्र एटीएस ने बड़ी कार्रवाई की है. आईएसआईएस से कथित संबंधों की जांच के तहत यह कार्रवाई की गई. एटीएस को कुछ इनपुट मिले थे, जिसके आधार पर टीम ने तत्काल छापेमारी का फैसला लिया. जांच एजेंसी का कहना है कि मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है. संदिग्ध गतिविधियों को लेकर पहले से निगरानी की जा रही थी. इसी क्रम में छापेमारी की योजना बनाई गई.

एटीएस की टीम ने मुंबई के कुर्ला और गोवंडी इलाके में तीन अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की. यह कार्रवाई एक साथ और सुनियोजित तरीके से की गई. स्थानीय पुलिस की मदद से एटीएस की टीम सुबह ही इन इलाकों में पहुंच गई थी. छापेमारी के दौरान संबंधित ठिकानों की तलाशी ली गई. अधिकारियों ने वहां मौजूद लोगों से पूछताछ भी की. पूरे ऑपरेशन को गोपनीय रखा गया था ताकि किसी को भनक न लगे.

छापेमारी के दौरान एटीएस अधिकारियों ने कई लोगों से पूछताछ की. सूत्रों के अनुसार, कुछ इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और दस्तावेज भी जांच के दायरे में लिए गए हैं. अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है. जिन लोगों से पूछताछ हुई है, उनके कथित संबंधों की भी पड़ताल की जा रही है. फिलहाल किसी गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. जांच एजेंसी तथ्यों को इकट्ठा कर आगे की कार्रवाई तय करेगी.

महाराष्ट्र एटीएस की यह कार्रवाई आतंक विरोधी अभियान का हिस्सा मानी जा रही है. एजेंसियां लगातार ऐसे मामलों पर नजर बनाए हुए हैं. मुंबई जैसे बड़े शहर में सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है. जांच एजेंसियों का मकसद किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोकना है. अधिकारियों ने लोगों से अफवाहों से बचने और सहयोग करने की अपील की है. आने वाले दिनों में इस मामले में और खुलासे हो सकते हैं.

अंडा तस्करी मामला: रैकेट के अंतरराज्यीय संबंधों का खुलासा होने पर दंत चिकित्सक गिरफ्तार

500 से अधिक महिलाओं के शोषण की आशंका

बदलापुर- महाराष्ट्र भर में सनसनी मचा देने वाले बदलापुर अंडा तस्करी मामले में एक सनसनीखेज सफलता मिली है। बदलापुर पुलिस ने नासिक स्थित दंत चिकित्सक डॉ. अमोल पाटिल को गिरफ्तार कर लिया है, जिससे गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या छह हो गई है। स्थानीय अदालत ने पाटिल को 9 मार्च तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। हालांकि, अंतरराज्यीय रैकेट का कथित सरगना अभी भी फरार है।

पुलिस ने बदलापुर, उल्हासनगर, ठाणे, वांगानी, अंबरनाथ और नासिक में समन्वित छापेमारी की, जिसमें अवैध प्रजनन प्रक्रियाओं से जुड़ी 15 लाख रुपये से अधिक की दवाएं जब्त की गईं।

डॉ. पाटिल नासिक नगर निगम के अंतर्गत मुंबई नाका क्षेत्र में स्थित मालती आईवीएफ सेंटर से जुड़े हैं। यह आईवीएफ सेंटर आधिकारिक तौर पर उनकी पत्नी के नाम पर पंजीकृत है। पुलिस ने इससे पहले बदलापुर में संदिग्ध दस्तावेज मिलने के बाद क्लिनिक का विस्तृत निरीक्षण किया था और महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए थे।

मंगलवार देर रात, बदलापुर पुलिस ने पाटिल को सरोगेट मदर एजेंट के रूप में काम करने और अवैध रूप से अंडाणु प्राप्त करने और प्रत्यारोपण प्रक्रियाओं में सहायता करने के आरोप में गिरफ्तार किया। जांच में पता चला कि पाटिल पेशे से दंत चिकित्सक हैं, जबकि आईवीएफ लाइसेंस उनकी पत्नी के नाम पर है।

जांचकर्ताओं के अनुसार, इस गिरोह में फर्जी आधार कार्ड तैयार करना और जाली हलफनामे बनाना शामिल था, ताकि एक ही महिला को अलग-अलग पहचानों के तहत बार-बार अंडाणु दाता के रूप में इस्तेमाल किया जा सके। आरोपियों से जब्त किए गए मोबाइल फोन में महिलाओं की तस्वीरें, इंजेक्शन लगाने की प्रक्रिया, सोनोग्राफी सत्र, जाली दस्तावेज और वित्तीय लेनदेन के रिकॉर्ड मिले।

पुलिस को संदेह है कि 500 या उससे अधिक महिलाओं का शोषण किया गया होगा।

टाइम्स परिवार की ओर अमित (टिंकू) मिश्रा को जन्मदिवस की हार्दिक मंगलकामनाएँ

मुंबई - 7 मार्च के शुभ अवसर पर प्यूपिल्स टाइम्स परिवार की ओर से तुम्हें जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ। ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम्हारा जीवन उत्तम स्वास्थ्य, प्रसन्नता और सकारात्मक ऊर्जा से परिपूर्ण रहे। तुम अपने परिश्रम, अनुशासन और कार्यकुशलता से जीवन में निरंतर सफलता प्राप्त करो तथा अपने ज्ञान और सद्भाव से समाज में प्रेरणादायी उदाहरण बनो। आने वाला प्रत्येक वर्ष तुम्हारे लिए नई उपलब्धियाँ, नए अवसर और उज्ज्वल भविष्य लेकर आए। एक बार पुनः जन्मदिवस की हार्दिक बधाई और मंगलकामनाएँ।

स्थायी भारत: स्वच्छ हवा, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और मानव-केंद्रित नीतियाँ

गौरव सिंह/नवी मुंबई

भारत 2026 में विकास और नीति निर्माण के महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। प्रदूषण, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और ग्रामीण बुनियादी सेवाएँ–तीन अलग विषय, पर एक ही उद्देश्यः स्थायी और समावेशी विकास।

1. प्रदूषण और विकास

IMF IYe उप-प्रबंध निदेशक Gita Gopinath के अनुसार बढ़ता प्रदूषण भारत के आर्थिक विकास के लिए गंभीर चुनौती है। खराब वायु गुणवत्ता श्रम उत्पादकता घटाती है, स्वास्थ्य व्यय बढ़ाती है और निवेश वातावरण को प्रभावित करती है। लेकिन स्वच्छ वायु केवल आर्थिक लाभ का साधन नहीं है। यह नागरिक का मौलिक अधिकार भी है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन के अधिकार की गारंटी देता है और न्यायालय इसे स्वस्थ पर्यावरण से जोड़ते हैं।

GDP आधारित मापन अक्सर पर्यावरणीय हानि को पूरी तरह नहीं दिखाता। औद्योगिक उत्पादन बढ़ता है, लेकिन प्रदूषण से होने वाली बीमारियों का खर्च भी GDP में जुड़ जाता है। इसलिए 'हरित विकास' आवश्यक है–औद्योगिक वृद्धि और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ।

प्रमुख निष्कर्ष :

स्वच्छ वायु नागरिक का मौलिक अधिकार है। हरित प्रौद्योगिकी और सार्वजनिक परिवहन में निवेश आवश्यक है। प्रदूषण नियंत्रण को आर्थिक नीति का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए।

2. भारत एव मुक्त व्यापार समझौता

27 जनवरी 2026 को भारत और यूरोपीय संघ के बीच FTA हुआ। यह निर्यात, आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण और निवेश आकर्षण का अवसर देता है। वस्त्र, औषधि, इंजीनियरिंग और IT क्षेत्रों को इसका लाभ मिल सकता है।

साथ ही, यूरोपीय पर्यावरण और श्रम मानक MSME के लिए अतिरिक्त लागत ला सकते हैं। यदि भारतीय उद्योग हरित उत्पादन और गुणवत्ता मानकों को अपनाते हैं, तभी वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिक सकते हैं। यह दर्शाता है कि व्यापार नीति और पर्यावरण नीति अलग नहीं हैं।

प्रमुख निष्कर्षः

FTA अवसर प्रदान करता है, पर इसके लिए तैयारी आवश्यक है। पर्यावरण और श्रम मानकों का पालन अनिवार्य है। MSME को तकनीकी और वित्तीय सहायता की आवश्यकता। व्यापार नीति को हरित औद्योगिक नीति से जोड़ना चाहिए।

3. जल जीवन मिशन

Jal Jeevan Mission ग्रामीण भारत में घर-घर नल जल सुविधा सुनिश्चित करने का प्रयास है। सुरक्षित जल स्वास्थ्य सुधारता है, महिलाओं का श्रम घटता है और बच्चों की शिक्षा पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। चुनौतियाँ भी हैं। केवल पाइपलाइन बिछाना पर्याप्त नहीं; नियमित आपूर्ति, जल गुणवत्ता और स्रोत की स्थिरता जरूरी हैं। डेटा पारदर्शिता और सामुदायिक भागीदारी मिशन की सफलता सुनिश्चित करते हैं।

प्रमुख निष्कर्ष

- **जल मानव विकास का आधार है।**
- **नियमित और गुणवत्तापूर्ण जल आपूर्ति आवश्यक।**
- **डेटा पारदर्शिता और सामुदायिक भागीदारी मिशन की सफलता सुनिश्चित करती है।**

समेकित नीति दृष्टि

- **प्रदूषण मानव पूंजी को प्रभावित करता है, व्यापारिक प्रतिस्पर्धा पर्यावरण मानकों से जुड़ती है, और बुनियादी सेवाएँ दीर्घकालिक स्थिरता का आधार हैं। भारत को तीन स्तरों पर संतुलन बनाना होगा:**
- **हरित अर्थव्यवस्था–ऊर्जा, परिवहन और उद्योग में स्वच्छ विकल्प।**
- **वैश्विक प्रतिस्पर्धा –गुणवत्ता और मानकों में सुधार।**
- **मानव–केंद्रित नीति –जल, स्वास्थ्य और शिक्षा को प्राथमिकता।**

निष्कर्ष : विकास केवल GDP वृद्धि तक सीमित नहीं रह सकता। स्वच्छ वायु, न्यायपूर्ण व्यापार और सुरक्षित जल–तीनों स्तंभों पर आधारित नीति अपनाकर भारत आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय संतुलन का उदाहरण बन सकता है।

भ्रष्टाचार और घोटाले के विरुद्ध 1664 दिनों से सत्याग्रह जारी

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

जौनपुर - जनपद के कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में कथित घोटाले, भ्रष्टाचार और पत्रकार उत्पीड़न के विरोध में चल रहा सत्याग्रह आन्दोलन शनिवार को 1664वें दिन भी जारी रहा। यह आन्दोलन यशवन्त कुमार गुप्त के नेतृत्व में 9 अगस्त 2021 से निरंतर जारी है।

आन्दोलन के माध्यम से भूमि अधिग्रहण में हुई अनियमितताओं तथा जनसुनवाई पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के कथित फर्जी निस्तारण का मुद्दा लगातार उठाया जा रहा है। आन्दोलनकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

आन्दोलन के संयोजक यशवन्त कुमार गुप्त ने कहा कि यह सत्याग्रह जांच के मुख्य बिंदुओं पर अडिग है और जब तक समस्या का उचित समाधान नहीं होता, तब तक आन्दोलन जारी रहेगा। सत्याग्रह के दौरान सिरकोनी बाजार (इजरी) में हुई भीषण डकैती की घटना की भी निंदा की गई तथा अभियुक्तों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की गई।

इस अवसर पर वीरेंद्र शर्मा, शेषमणि मौर्य, रेखा गौतम, रमेश त्यागी, शेर बहादुर सिंह, नन्दलाल रावत, राम बहाल यादव, आदित्य नारायण शर्मा, उदय प्रताप सिंह, विजय प्रताप सिंह, अमरेश कुमार पाण्डेय (अधिवक्ता), राम आसरे विश्वकर्मा, राजितराम यादव, विजय प्रकाश मिश्र, प्रेम प्रकाश मिश्र सहित दर्जनों समर्थकों ने उपस्थित होकर आन्दोलन को अपना समर्थन दिया।

आन्दोलनकारियों ने प्रशासन से मांग की कि पूरे प्रकरण की पारदर्शी जांच कर जनता के समक्ष सच्चाई लाई जाए, ताकि आम नागरिकों का विश्वास शासन-प्रशासन पर बना रहे।

भ्रामक विज्ञापन पर कोचिंग संस्थान पर 15 लाख का जुर्माना

मुंबई - केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) 2023 से संबंधित भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने के मामले में वाजिराव एंड रवि इंस्टिट्यूट पर 15 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। प्राधिकरण ने पाया कि संस्थान ने अपने विज्ञापनों में यह दावा किया था कि यूपीएससी सीएसई 2023 की 1016 रिक्तियों में से 645 से अधिक उम्मीदवारों का चयन उसके संस्थान से हुआ है।

जांच के दौरान यह सामने आया कि संस्थान ने सफल उम्मीदवारों द्वारा वास्तव में चुने गए पाठ्यक्रमों की महत्वपूर्ण जानकारी छिपाई थी। कई नामांकन प्रपत्रों में पाठ्यक्रम का स्पष्ट उल्लेख नहीं था, जबकि कुछ में केवल 'साक्षात्कार मार्गदर्शन' या 'मॉक इंटरव्यू' कार्यक्रम दर्ज थे। इससे यह भ्रामक धारणा उत्पन्न हुई कि सभी सफल उम्मीदवारों ने संस्थान के नियमित पूर्ण पाठ्यक्रम में अध्ययन किया था। प्राधिकरण ने इसे उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के अंतर्गत उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन माना। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी संस्थान पर वर्ष 2022 के परिणामों से जुड़े भ्रामक दावों के लिए 7 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जा चुका है। सीसीपीए ने स्पष्ट किया कि कोचिंग संस्थानों को अपने विज्ञापनों में पारदर्शिता और पूर्ण जानकारी देना अनिवार्य है, ताकि छात्र और अभिभावक सही व सूचित निर्णय ले सकें।

होली त्योहार और ऋतु परिवर्तन का महत्व

श्रीराम पॉलीक्लिनिक व आयुर्वेदिक दवाखाना
डॉ. मिश्रा आशिषकुमार प्रभुनाथ
(BAMS, मुंबई)
रजि. नं. 99424-अ-1
मोबाइलः 9743102575
स्थानः बोराडपाडा, चिखलोली
समयः सांयकाल 7:30 से 11 बजे तक।

होली शिशिर और वसन्त ऋतु के संधिकाल में आने वाला महत्वपूर्ण पर्व है, जिसका उल्लेख आयुर्वेद में भी मिलता है। ऋतु परिवर्तन के इस समय शरीर में कफ की वृद्धि होती है, इसलिए आयुर्वेदिक दृष्टि से यह पर्व स्वास्थ्य संरक्षण में सहायक माना गया है। होली के अवसर पर उबटन लगाने की परंपरा त्वचा को स्वच्छ, कोमल और रोगमुक्त बनाने में सहायक होती है।

होलिका दहन में औषधीय लकड़ियों और वनस्पतियों के दहन से उत्पन्न धूम्र वातावरण को शुद्ध करता है तथा शरीर में संचित कफ के शमन में सहायक माना जाता है। नीम, हल्दी, गुलाब, गुड़हल और चुकंदर जैसे प्राकृतिक औषधीय रंग त्वचा के लिए लाभकारी होते हैं और चर्मरोगों से भी रक्षा करते हैं। नृत्य, संगीत, सूर्य प्रकाश और रंगों के साथ खेलना शरीर में पसीना उत्पन्न करता है, जिससे रक्त संचार बढ़ता है तथा लसीका तंत्र की सफाई होती है। साथ ही यह पर्व सामाजिक मेलजोल और आनंद का प्रतीक है, जो मानसिक तनाव को कम कर डोपामाइन और सेरोटोनिन जैसे हार्मोन के स्राव को बढ़ाता है।

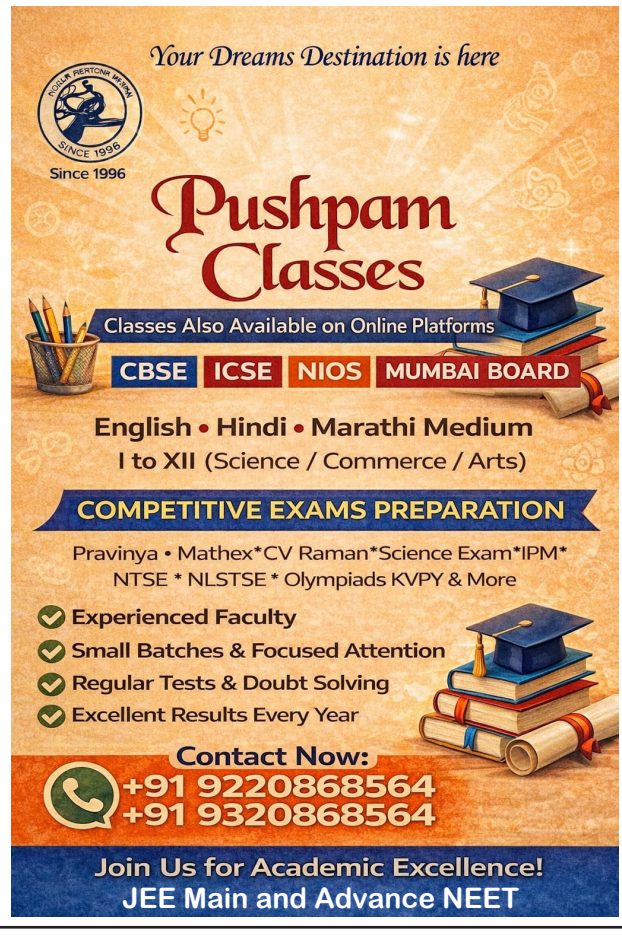

प्यूपिल्स टाइम्स

मुंबई में ट्रैफिक सुधार के लिए नई योजना

भीड़भाड़ कम करने की दिशा में बड़ा कदम

मुंबई - देश की आर्थिक राजधानी मुंबई लंबे समय से बढ़ते ट्रैफिक और जाम की समस्या से जूझ रही है। शहर में हर दिन लाखों वाहन सड़कों पर निकलते हैं, जिससे कई प्रमुख मार्गों पर घंटों ट्रैफिक जाम की स्थिति बन जाती है। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए मुंबई प्रशासन और महाराष्ट्र सरकार ने ट्रैफिक सुधार के लिए एक नई व्यापक योजना तैयार की है।

नई योजना के तहत शहर में स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा। इसके अंतर्गत प्रमुख चौराहों पर हाई-टेक कैमरे, ऑटोमेटिक सिग्नल सिस्टम और रियल-टाइम ट्रैफिक मॉनिटरिंग की व्यवस्था की जाएगी। इन तकनीकों की मदद से ट्रैफिक पुलिस को तुरंत जानकारी मिल सकेगी और जाम की स्थिति को जल्दी नियंत्रित किया जा सकेगा।

सरकार का मानना है कि यदि अधिक लोग निजी वाहनों के बजाय मेट्रो, बस और लोकल ट्रेन का उपयोग करें, तो ट्रैफिक काफी हद तक कम हो सकता है। इसी कारण मुंबई में मेट्रो नेटवर्क का तेजी से

विस्तार किया जा रहा है।

मुंबई में अवैध पार्किंग भी ट्रैफिक जाम का एक बड़ा कारण है। नई योजना के तहत स्मार्ट पार्किंग सिस्टम शुरू किया जाएगा, जिससे वाहन चालकों को मोबाइल ऐप के माध्यम से पार्किंग की उपलब्धता की जानकारी मिल सकेगी। इससे सड़कों पर अव्यवस्थित पार्किंग को नियंत्रित किया जा सकेगा। इसके अलावा कई व्यस्त मार्गों पर फ्लाईओवर, अंडरपास और सड़क चौड़ीकरण के प्रोजेक्ट भी शुरू किए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने से ट्रैफिक का दबाव कम होने की उम्मीद है।

विशेषज्ञों का मानना है कि केवल सरकारी योजनाओं से ही ट्रैफिक समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसके लिए नागरिकों को भी ट्रैफिक नियमों का पालन करना होगा और सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करना होगा।

आने वाले वर्षों में मुंबई में ट्रैफिक व्यवस्था काफी हद तक बेहतर हो सकती है और लोगों को रोजमर्रा की यात्रा में राहत मिल सकती है।

भिवंडी के कनेरी इलाके में कपड़े के गोदाम में आग

आग में कोई हताहत नहीं, लेकिन बकरियां मर गईं

भिवंडी - भिवंडी के कनेरी इलाके में कपड़े, चिथड़े और धागे रखने वाले एक गोदाम में अचानक आग लग गई, जिससे पूरा गोदाम जलकर खाक हो गया। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में गोदाम में बंधी 6 बकरियां जलने

से मर गईं। साथ ही, एक बकरी को बचा लिया गया। आग लगने की इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक, ग्राउंड प्लस वन बिल्डिंग के पहले फ्लोर पर बने गोदाम में अचानक आग लग गई। आग तेजी से फैलने की वजह से कुछ ही देर में पूरा गोदाम आग की लपटों में घिर गया। घटना की जानकारी मिलते ही भिवंडी फायर डिपार्टमेंट की तीन दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। हालांकि, तब तक गोदाम में रखा लाखों रुपये का सामान, कपड़े, चिथड़े, धागा और मशीनरी जलकर राख हो चुकी थी। अच्छी बात यह रही कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

इस गोदाम में कुछ बकरियां रखी हुई थीं और गोदाम में लगी इस आग की वजह से 6 बकरियां जलकर मर गईं। जबकि एक बकरी को बचा लिया गया। इस आग का सही कारण अभी पता नहीं चला है, लेकिन शुरूआती तौर पर शॉर्ट सर्किट की संभावना जताई जा रही है। पुलिस और फायर डिपार्टमेंट आगे की जांच कर रहे हैं।

आशीर्वाद प्राप्त...

महामंडलेश्वर स्वामी श्री विनय स्वरूपानंद सरस्वती के शिष्य पंडित श्री करुणाशंकर शास्त्री तथा शिक्षाविद् श्री बालगोविंद तिवारी ने परम पूज्यनीय श्री गुरुदेव भगवान के सांताक्रुज स्थित निवास पर जाकर उनके दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरुदेव जी का निवास फॉर्च्यून हाइट टावर, 8वीं मंजिल, सांताक्रुज (पूर्व), मुंबई, महाराष्ट्र में स्थित है, जहाँ समय-समय पर श्रद्धालु और शिष्य उनके दर्शन हेतु उपस्थित होते हैं। स्वामी श्री विनय स्वरूपानंद सरस्वती जी के विचारों का मूल आधार वैदिक ज्ञान, आध्यात्मिक अनुशासन और मानव सेवा है। उनका मानना है कि सच्चा धर्म वही है जो मनुष्य को सत्य, करुणा, संयम और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते है।

भिवंडी में कोली भाइयों ने पारंपरिक उत्साह के साथ होली मनाई

एक गांव, एक होली का संदेश; अरंडी के पेड़ को मछली के प्रसाद से सजाया गया

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

भिवंजी - होली का त्योहार वैसे तो पूरे महाराष्ट्र में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है, लेकिन भिवंडी के भोईवाड़ा इलाके में कोली समुदाय ने अपनी 83 साल पुरानी परंपरा को इस साल भी उतनी ही श्रद्धा और उत्साह के साथ बनाए रखा है। इस इलाके में होली का त्योहार पारंपरिक रस्मों और कोली संस्कृति को दिखाते हुए बड़ी धूमधाम से खत्म हुआ। मछलियों की मालाओं से सजी होली कोली समुदाय की परंपरा के अनुसार, होली के लिए अरंडी के पेड़ को चुना गया और उसे आकर्षक तरीके से सजाया गया।

इस त्योहार का मुख्य आकर्षण इस पेड़ पर चढ़ाया जाने वाला प्रसाद था। महिलाओं द्वारा रस्म पूरी करने के बाद, इस पेड़ को सुरमई, खेका, बंगला, पपलेट और सूखी मछली की मालाओं से सजाया गया। इस अनोखी परंपरा को देखने के लिए इलाके के नागरिकों की भारी भीड़ जमा हुई थी। पारंपरिक जुलूस और नाच-गाना ढोल-नगाड़ों की आवाज के साथ सजाए गए अरंडी के पेड़ को कंधों पर रखकर पूरे भोईवाड़ा इलाके में एक भव्य जुलूस निकाला गया। इस

मौके पर आगरी कोली समुदाय की महिलाएं और लड़कियां पारंपरिक कपड़ों में 'कोली गानों' पर नाचती नजर आईं। गुलाब की पंखुड़ियों की बौछार और 'होली रे होली, पुराची पोली' के नारों से पूरा माहौल खुशनुमा हो गया। एकता और सांस्कृतिक विरासत जुलूस के बाद, शास्त्रों के अनुसार होली पूजा की गई। महिलाओं ने होलिका की परिक्रमा की और नारियल और प्रसाद चढ़ाया। समुदाय ने सामाजिक एकता, 'एक गांव, एक होली' का संदेश देकर अपनी सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने की कोशिश की। समुदाय के सदस्यों ने कहा कि यह समारोह सिर्फ एक धार्मिक रस्म नहीं है, बल्कि कोली समुदाय की पहचान और एकता का प्रतीक है।

Result Guarantee Above 90% or Money Back
If U R Not Joining Home Tuitions Then U R Missing Many Things
Mumbai's No.1 Premium Home Tuitions Academy
Mumbai HOME & PRIVATE TUITIONS
1st to 10th ICSE / CBSE / IB / IGCSE / NIOS / State Boards
XI & XII Sci / Comm. IIT, NEET, MHT-CET
Engg, Degree, Diploma, B.Com, Bsc., BMS, MBA, Gmat, Cat, CET, English Speaking
Rajendra Deshmukh MANAGING DIRECTOR
Any Class Home Tuitions Across Mumbai
Get Admission in MBBS
NEET Qualified / Unqualified Fees 25 Lacs (Inc. Food Acc.)
ADMISSIONS OPEN
Branches : Andheri - Worli - Jogeshwari - Malad - Dadar - Borivali - Virar
Thane - Vashi - Nerul - Kharghar - Ambernath - Badlapur
Home Tuitions Benefits
1. We get personal attention but in class its not there. 2. We get Result guarranty but classes no result guarranty. 3. Syllabus Completion in our hand in classes we cannot complete in our time. 4. Its Time saving but in classes time wasted. 5. Here efficiency 10 times more than classes in classes low efficiency. 6. Class Time as per students convenience, in classes as per their time
Contact : 902 902 9222 / 80 80 80 34 12 / 8446642380 / 9209128153
https://www.mumbaihometutors.com

PRIME KEYS PROPERTIES
Beyond Dreams
BUY | SELL | RENT
FLATS • SHOPS • BUNGALOWS
LANDS • REDEVELOPMENT
Trusted Property Consultant
Residential & Commercial Deals
Best Market Price Assistance
Contact:
+91 9167378057
+91 9172282533
Your Dream Property, Our Priority

DR. ZUBER SHAH HOSPITAL & POLYCLINIC
Ambernath (W), Maharashtra
Nursing Home Reg. No.: THN-C274*
DR. ZUBER SHAH HOSPITAL & POLYCLINIC
24 HOURS EMERGENCY
FACILITIES AVAILABLE
24x7 Emergency Care - Immediate Critical Support
Diabetology & Advanced Diabetic Care
Fever Treatment (Dengue, Chikungunya, Malaria, Influenza)
Cardiology Checkup & ECG Facility
General Medicine Consultation
Vaccination & Immunization Services
Minor Surgical Procedures
OPD & IPD Care Available
Complete Health Checkups
24 HOURS EMERGENCY SERVICE AVAILABLE
DR. ZUBER S. SHAH
M.B.B.S (Reg. No. 2024020955)
Cert. in Diabetology & Emergency Medicine
+91 9323594085 / 8237304085 | Buvapada, K B Road, Ward No. 2/2, Ambernath West, Thane,
Woolen Chawl OPD : 8:00 pm to 11:30 pm | OPD Amber Care : 8149477110

'महर्षिः जाजलिः च तुलाधारः धर्मस्य रहस्यं'

(महर्षि जाजलि और तुलाधारः धर्म का रहस्य)

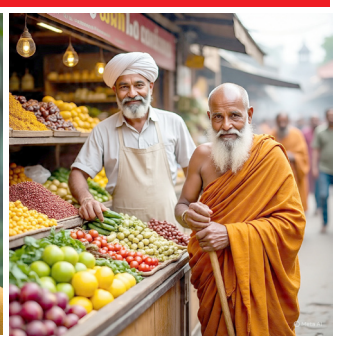

महर्षिः जाजलिः तपस्वी ऋषिः
तुलाधारः काश्यपण्टस्य साधारणः दुकानदारः, धर्मज्ञः
आकाशवाणी - दिव्यः स्वरः
पक्षिणः, वन्यजीवाः - पृष्ठभूमौ (मूक वा लघु ध्वनि)
ग्राहकाः तुलाधारस्य दुकानं आगताः स्थानम्

1. वनम् - महर्षि जाजलिः तपस्थलम्
2. काश्यपण्टः तुलाधारस्य व्यापारस्थानम्

दृश्यः १ – वनस्य मध्ये तपः

- (पर्दः उद्यत। मंचे घनवनम्, वृक्षाः, जटाः, लताः। महर्षिः जाजलिः जटासु लिप्तः स्थितः। पक्षिणः जटासु घोंसलं कुर्वन्ति। पृष्ठभूमौ लघु ध्वनयः पत्तीः सरसरन्ति, पक्षिणः चहचहन्ति।)
- महर्षिः जाजलिः (धीर स्वरः, ध्यानं कृत्वा)
- अन्नं च जलं च त्यक्त्वा, प्राणवायुं संयम्य, मनः स्थिरं करोमि। मम तपः अचलः।

(पक्षिणः संवादमध्यम्)
पक्षिः १ : अत्र सुरक्षितं स्थानं। घोंसलं कुर्वे।
पक्षिः २ : सत्यं, विघ्नः नास्ति।
महर्षिः जाजलिः (स्मितम्)
सर्वे जीवाः सुखिनः स्युः। एतत् मम इच्छास्ति।
(समयः गच्छति। जटाः फैलन्ति। महर्षिः वृक्षवत् दृश्यते।)
महर्षिः जाजलिः (आकाशं प्रेक्ष्य)
अद्य मया धर्मः प्राप्तः।
(दिव्यः स्वरः - off-stage)
आकाशवाणी
हे जाजलि! व्यर्थं गर्वं मा कुरु। यदि धर्मस्य वास्तविकं ज्ञानं इच्छसि, काश्यां गत्वा तुलाधारं मिल।
महर्षिः जाजलिः (आश्चर्येण) काश्यां तुलाधारं अहं तत्र गच्छामि।
(महर्षिः जाजलिः धीरे-धीरे मंचं त्यजति। पक्षिणः, जीवाः पलायन्ति। पर्दः संकीर्णं।)

दृश्यः २ – काश्यपण्टः – तुलाधारस्य दुकानम्

(मंचे तुलाधारस्य लघु दुकानम्। ग्राहकाः सामानं कुर्वन्ति। तुलाधारः सौदे करोतु। हल्का संगीत पृष्ठभूमौ।)
महर्षिः जाजलिः प्रवेशः
तुलाधारः (दृष्ट्वा महर्षिं)
अहो! महर्षि जाजलि! दर्शनं कृतम्। आसनं गृह्य जलपानं कुरुत।
महर्षिः जाजलिः भवान् मां कथम् जानाति?
तुलाधारः
सर्वं ज्ञातं। भवतः तपस्यायाः गर्वं दृष्ट्वा, आकाशवाणी यः मां प्रति प्रेषितवती।
महर्षिः जाजलिः हे महात्मन्! कृपया धर्मस्य वास्तविकं रहस्यं प्रददातु।
(ग्राहकाः लघु प्रश्नं कुर्वन्ति। तुलाधारः उत्तरं दत्ते। महर्षिः जाजलिः ध्यानपूर्वक पश्यन्ति।)
तुलाधारः अहं महान् ज्ञानी नास्मि। केवलं यत् जीवने मम कर्म धर्मः, तत् करोमि।
ग्राहक : भवान् तुलाधारः, एषः सामानः कियत् मूल्यं?
तुलाधारः यथोचितम् एव। यदि अधिकं दत्तम्, धन्यवादः। यदि न्यूनं, संतोषः।
महर्षिः जाजलिः (मनसि)
साधारण रूपेण, व्यवहारतः महान्।
तुलाधारः कस्यापि मोहं न कृत्वा जीविका, छल-कपटं त्यक्तवा, केवलं यथोचितं लाभं गृह्य कुटुम्बस्य पालनं कुर्युः, सर्वेभ्यः जीविनः समानभावः - एषा धर्मः।
तुलाधारः निंदा स्तुति वा न करोमि। प्रिय-अप्रिय यः कः क्रियते, मम कृते समानम्। मृत्तिकं स्वर्णं वा मम कृते भेदः नास्ति। एषा मम धर्मः।
महर्षिः जाजलिः (नतशिरः, अश्रुपूरित स्वरः)
भवतः वचनैः मम नेत्राणि उद्घाटितानि। एवमेव धर्मस्य वास्तविकं रहस्यं। समदर्शी भवति सः सर्वोत्तमधर्मी।
(ग्राहकाः बाह्यं गच्छन्ति। तुलाधारः महर्षेः समीपे स्थिरः।

यहां पर आत्मा और जीवात्मा का फोटो डाल दीजियेगा

। ईश्वरः जीवात्मा च — शाश्वतं वैदिकं चिन्तनम् ।।

मनुष्यस्य मनसि स्वाभाविकतया एषा जिज्ञासा जायते–किम् ईश्वरः जीवात्मा च स्तः वा न वा? यदि ईश्वरः अस्ति, तर्हि सः किमर्थं न दृश्यते? कथं वा तस्य ज्ञानं प्राप्तुं शक्यते? अस्य प्रश्नस्य समाधानं ते एव विद्वांसः ददति ये ईश्वरं यथार्थरूपेण जानन्ति। ते वदन्ति यत् ईश्वरः अभौतिकः अतीव सूक्ष्मश्च अस्ति; अतः सः अस्माकं चक्षुषा अन्यैः इन्द्रियैश्च न दृश्यते।

सर्वेषां मनुष्याणां प्राणिनां च शरीरेषु एका जीवात्मा वर्तते। अन्येषु मतेषु अस्य जीवात्मनः Sou' अथवा रूह इति नाम प्रयुज्यते। किन्तु वेदविदः ऋषयः एव अस्य यथार्थस्वरूपं सम्यक अवगच्छन्ति। मनुष्यः स्वभावतः अल्पज्ञः एकदेशी च भवति, अतः सः कस्यापि विषयस्य पूर्णं ज्ञानं स्वयमेव प्राप्तुं न शक्नोति। तस्मै अधिकज्ञानिनां साहाय्यस्य आवश्यकता भवति। पूर्णज्ञः तु केवलः सर्वज्ञः सर्वव्यापकः परमात्मा एव अस्ति। ज्ञानी मनुष्याः सद्ग्रन्थानां स्वाध्यायेन, चिन्तन-मननाभ्यां, तपसा च एतत् ज्ञानं प्राप्नुवन्ति।

एतत् निःसंशयं सत्यं यत् ईश्वरस्य जीवात्मनश्च यथार्थज्ञानं वेदानामध्ययनेन, तेषां चिन्तनेन, मननेन, ध्यानोपासनया च एव लभ्यते। अस्मिन् जगति यत्र यत्र येषु मतसम्प्रदायेषु ईश्वरस्य जीवात्मनश्च यत् किञ्चित् ज्ञानं दृश्यते, तत् सर्वं प्राचीनकाले वेदेभ्यः एव प्रवृत्तम्। अतः सद्ज्ञानस्य प्राप्तिः वेदानामध्ययनात् तेषां विद्वद्भिः सह संगतेश्च भवति। वेदाः ईश्वरं जीवात्मानं च चेतनां सूक्ष्मां च सत्तां वर्णयन्ति। ईश्वरः सर्वज्ञः सर्वव्यापकश्च अस्ति, जीवात्मा तु अल्पज्ञः, एकदेशी, ससीमश्च अस्ति। सः अणुपरिमाणवान् इति उच्यते।

ईश्वरः जीवात्मा च अतीव सूक्ष्मत्वात् चक्षुषा न दृश्येते। काचिद् वस्तु तस्य गुणैः लक्षणैश्च

ज्ञायते। एतदेव विज्ञानस्य अपि सिद्धान्तः अस्ति। अस्मिन् विश्वे नानाविधानां पदार्थानां प्राणिनां च उत्पत्तिं स्थितिं च दृष्ट्वा ईश्वरस्य अस्तित्वं सिद्धं भवति। एतस्य विश्वस्य स्रष्टा केवलः एकः ईश्वरः एव अस्ति। तथैव सर्वेषां प्राणिनां शरीराणि यः सञ्चालयति सः जीवात्मा अस्ति। सः अचेतनात् शरीरात् सर्वथा भिन्नः चेतनतत्त्वं भवति। ईश्वरस्य जीवात्मनश्च स्वरूपं विस्तारतः ज्ञातुं वेदानां सह अन्येषां ग्रन्थानामध्ययनं कर्तुं शक्यते। तेषां अध्ययनात् जिज्ञासूनां मनसि पूर्णः सन्तोषः जायते।

ईश्वरः सच्चिदानन्दस्वरूपः अस्ति। सः निराकारः, सर्वशक्तिमान्, न्यायकारी, दयालुः, अजन्मा, अनन्तः, निर्विकारः, अनादिः, अनुपमः, सर्वाधारः, सर्वेश्वरः, सर्वव्यापकः, सर्वान्तर्यामी, अजरः, अमरः, नित्यः, पवित्रः, सृष्टिकर्ता च अस्ति।

ईश्वरः ज्ञानस्वरूपः, प्रकाशस्वरूपः, सुखस्वरूपश्च अस्ति। सः कर्मफलस्य बन्धनात् मुक्तः, जन्ममरणादिभ्यः अपि मुक्तः। सः जीवात्मानां कर्मानुसारं जन्म मृत्युं च ददाति, सुखदुःखयोः अनुभवम् अपि प्रददाति। ईश्वरः जीवात्मनः अन्तः अपि व्यापकः अस्ति, जीवः च ईश्वरस्य व्याप्यः अस्ति। अयं एव ईश्वरः सर्वैः मनुष्यैः उपासनीयः अस्ति।

जीवात्मा अपि सत्यः चेतनः च अस्ति। सः अनादिः, अविनाशी, अमरः, अल्पज्ञः, एकदेशी, अणुपरिमाणवान्, ससीमः च। सः जन्ममरणचक्रे आबद्धः भवति। कर्मानुसारं सुखदुःखयोः भोक्ता च अस्ति। सः कर्मकरणे स्वतन्त्रः, किन्तु फलभोगे ईश्वरव्यवस्थायां परतन्त्रः भवति।

'कृत्रिमबुद्धिमत्ता (AI) भविष्येः

Milestones एवं
Pupils Times समाधान'
हर्ष गोयनका द्वारा प्रदत्त Milestones

आगामे दशकं कृत्रिमबुद्धिमत्ता (AI) च स्वयंचालिततन्त्रज्ञानम् जीवनस्य सर्वेषु क्षेत्रेषु परिवर्तनं जनयिष्यति। हर्ष गोयनका इति वक्तुं यततेः

- कोडनम् (Coding): 2028 संवत्सरे अक स्वयम् कोडं लिखितुम् अपि च स्थापयितुम् समर्थः भविष्यति।
- यानचालनम् (Driving): 2029 संवत्सरे स्वचालितानि यानानि (Self-driving cars)

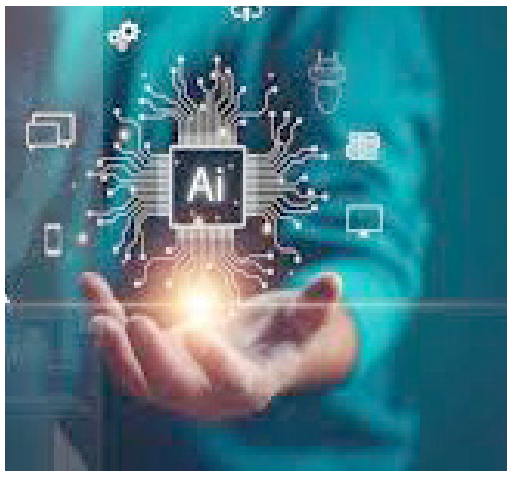

मुख्यानि यातायातसाधनानि भविष्यन्ति।
- शिक्षा (Teachers): 2029 संवत्सरे व्यक्तिगतः अक अध्यापकः पारम्परिकशिक्षकस्य स्थानं ग्रहिष्यति।
- वैद्यकम् (Doctors): 2030 संवत्सरे रोगनिदानं च बीमाराणां परीक्षणं च अक प्रमुखं भविष्यति।
- कला (Artists): 2030 संवत्सरे ऑन-डिमाण्ड् अक क्रीडा, चित्रणानि च कलाक्षेत्रे प्रचलितानि भविष्यन्ति।
- विधिकर्म (Lawyers): 2031 संवत्सरे कानूनीदस्तावेजानां प्रारूपणं अककरणीयं भविष्यति।
- श्रमशालाः (Factories): 2031 संवत्सरे पूर्णं स्वचालनं (Automation) सम्भाव्यं।
- शल्यचिकित्सकाः (Surgeons): 2032 संवत्सरे रोबोटिक सूक्ष्मता मानवस्य स्थानं गृह्णाति।
- सैनिकाः (Soldiers): 2033 संवत्सरे युद्धभूमौ स्वायत्ततन्त्राणां प्रयोगः वृद्धिं प्राप्स्यति।

Pupils Times द्वारा प्रस्तावित समाधान

यदि एषः भविष्यः साकारः भवति, तर्हि मानवसमाजः सजगः च सुसज्जितः भूयात्।

1. शिक्षा तथा कौशलविकासः सृजनात्मकं, रणनीतिगुणं, सामाजिककौशलं च शिक्षयितव्यं। दीर्घकालीनाध्ययनं पुनःअधिगमः च भविष्ये रोजगारसुरक्षायै अनिवार्यः।
2. नीतिन्यायव्यवस्थाः AI प्रयोगस्य नैतिकं कानूनीं च सुनिश्चितकरणाय अक-संहिता, सुरक्षा-मानकाः, डाटाप्रोटोकॉलः संस्थाप्यन्ते।
3. सामाजिकसुरक्षाः आर्थिकविषमता च रोजगारहानिः च रोक्तुं पुनःअधिगमः, सामाजिकसुरक्षा, सर्वसामान्यबेसिक आयः च अनिवार्याः।
4. मानव-केंद्रित दृष्टिः स्वास्थ्ये, शिक्षायां, न्याये च अकमानवस्य पूरकः भवतु, प्रतिस्थापकः न। सैन्ये स्वायत्ततन्त्रे च मानव-निरीक्षणम् अनिवार्यम्।

AI स्वचालिततन्त्रज्ञानञ्च भाविन्यां अविभाज्यांशः भविष्यति। तस्य सकारात्मकं प्रभावं तदा एव स्यात् यदा शिक्षा, नीतिन्याय, सामाजिकसुरक्षा, नैतिकदायित्वं च सम्यक रूपेण स्वीक्रियते। अक मानवस्य सहचरः भवतु, प्रतिस्थापकः न – एषा अस्माकं प्रमुखा चुनौती च समाधानं च।

६–१२ मार्च २०२६: साप्ताहिकदृश्य

अस्मिन सप्ताहे अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवसः

- (८ मार्च) तथा World Day Against Cyber Censorship (१२ मार्च) इव महत्वपूर्ण दिवसाः मन्यन्ते।
- ६ मार्च दिने Elizabeth Barrett Browning च जाताः।
- ७ मार्च दिने WWE NXT Vengeance Day आयोजनम् अभवत् तथा Sentinel-2B उपग्रहः प्रक्षिप्तः।
- ९ मार्च दिने Mark ककम्प्यूटरः विकसितः तथा Ether anesthesia प्रथमं प्रयोगितम्।
- १० मार्च दिने व. U. R. Rao च Madhavrao Scindia च प्रमुख व्यक्तयः जाताः।
- ११-१२ मार्च दिनयोः Neptune ग्रहस्य सह-खोज तथा Spectral Analysis इव वैज्ञानिकाः उपलब्धयः अभवन।

बुद्धिप्रेरणाशक्तिमती

Dr Vandana Mishra
M.A. NET(JRF) PHD

Maharashtra Launches Special Cell To Trace Missing Women

Tracing Rate Jumps By 10 Per Cent, Says CM

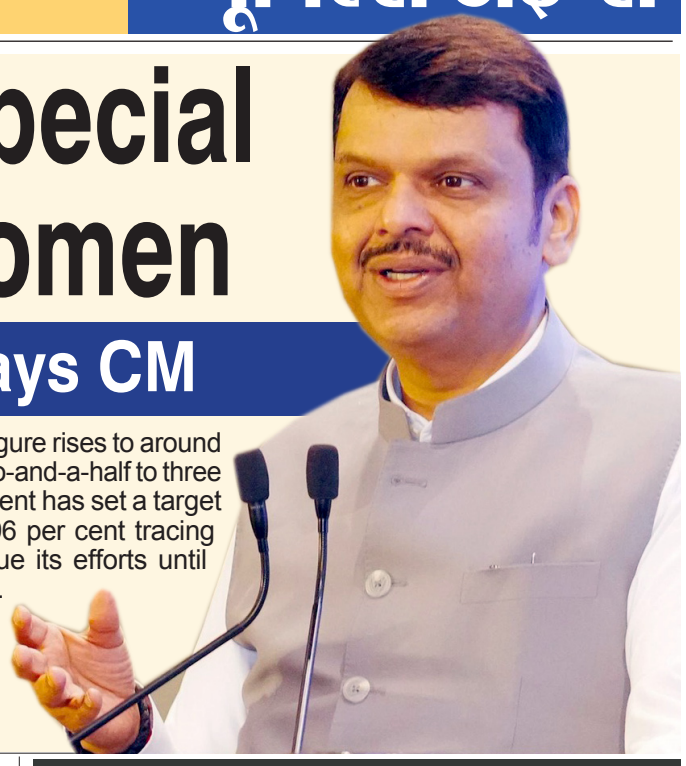

Mumbai: Chief Minister Devendra Fadnavis on Tuesday informed the Legislative Council that the state government has set up a Special Cell to trace missing women across Maharashtra. The cell is headed by women officers of Additional Director General (ADG) rank, who oversee the planning and execution of search operations. During Question Hour, Fadnavis said that due to the focused efforts of the Special Cell, the number of traced missing women has increased by 10 per cent over the past year. Regular review meetings are conducted under the leadership of senior women officers to monitor progress, and statewide search drives are being undertaken.

He stated that nearly 55 to 60 per cent of missing women are traced within the first year, while the figure rises to around 90 per cent within two-and-a-half to three years. The government has set a target of achieving a 95–96 per cent tracing rate and will continue its efforts until that goal is reached. New operations are launched every year to further improve outcomes.

Rising Tensions in the Middle East: Possible Escalation and Its Causes

At present, the growing tensions among Iran, United States, and Israel have become one of the most serious concerns in international politics. This situation is no longer limited to a dispute among three nations; its impact could extend across the entire Middle East and even affect the global order. If the conflict deepens further, several other countries and organizations may become directly or indirectly involved.

The primary reason behind this tension is Iran's nuclear program. The United States and Israel have long expressed concerns that Iran could develop the capability to produce nuclear weapons. On the other hand, Iran maintains that its nuclear program is solely intended for energy production and scientific research. This mutual distrust has given rise to a confrontational atmosphere between the parties.

The second major factor is the competition for regional influence. Iran has consistently sought to expand its influence in the Middle East, while the United States and its allies aim to limit that expansion. As a result, political and military rivalry is visible in several countries across the region. For instance, Iran is considered to have significant influence in Syria, whereas many Gulf nations maintain strategic cooperation with the United States.

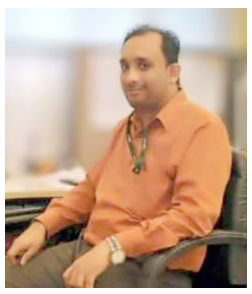

Manoj Mishra
(Executive Officer in the Accounts Department of Grinar Company)

The third important factor is the security of strategic maritime routes. In particular, the Strait of Hormuz is an extremely vital passage for global energy supplies. Nearly one-fifth of the world's oil passes through this route. If this passage is disrupted due to conflict, it could trigger a severe crisis in the global energy market.

If tensions continue to escalate, countries such as Saudi Arabia and United Arab Emirates may cooperate with the United States for security reasons, while regional organizations such as Hezbollah or other groups could become active in support of Iran.

Ultimately, it is clear that the tensions in the Middle East are not merely a regional issue. Their impact could extend to the global economy, energy security, and international peace. Therefore, the greatest challenge before the international community is to prevent this crisis from escalating into a broader war through sustained diplomatic efforts.

Revanth Reddy Urges Amit Shah To Allocate More IPS Officers For Telangana

New Delhi: Telangana Chief Minister Revanth Reddy on Wednesday met Union Home Minister Amit Shah in the national capital and sought allocation of additional Indian Police Service (IPS) officers for the state.

During the meeting, the chief minister said Telangana's policing needs have grown significantly and require a stronger IPS cadre. He pointed out that the first cadre review after the state's formation was conducted in 2016. The next review, which was due in 2021, was delayed and finally completed in 2025. However, only seven additional IPS officers were sanctioned.

Revanth Reddy urged the Centre to increase the sanctioned IPS strength in Telangana from the present 83 to 105 officers. He also requested that the third cadre review be carried out as scheduled in 2026 without delay.

Effortless hacks for Hydrated skin

1 Use the Right Ointments or Creams
Consider using skin-friendly over-the-counter skincare products like natural moisturizing creams, body lotion, petroleum jelly, etc. Look for creams or lotions that contain glycerin, hyaluronic acid, ceramides, lipids that repair the dry or damaged skin. Get a moisturizer matching your skin type. Go for an oil-free moisturizer if you have oily skin.

2 Use moisturizing serums
Those with extremely dry skin can consider using squalane emollient serums that help retain skin's natural oils and are filled with natural antioxidants too.

8 Exfoliate
Use a natural face and body scrub to remove dead skin cells, and clogged pore issues. Go for quality exfoliating products that do not include harsh chemicals and other no-so skin-friendly substances. Consider using DIY body scrubs which you can make at home with minimum money and effort!

9 Apply sunscreen
Harsh sun damages your skin leaving it dull and dehydrated. Apply sunscreen with SPF 30 or higher requirements before going out. It is proven to block about 97 percent of harmful UVB rays. In an extremely hot climate, cover your face with a scarf. Treat the tan, and sunburn with a natural product like aloe vera paste or gels.

10 Apply natural oils
Use natural moisturizing body oils that work wonders for your skin. For dry, acne-prone skin, treat your skin with a relaxing natural oil massage at least once a week. You can also use jojoba oil along with your everyday moisturizer.

11 Avoid hot showers
It is better to avoid hot, long showers. Extreme hot water or a long shower will leave your skin dry or patchy afterward. Use lukewarm water or take shorter shoes to keep the skin hydrated. Also, avoid using soaps that can snatch natural oil present in your skin.

12 Moisturize post shower
Your skin may get dry after you have a bath. Apply a lotion or moisturizer to your entire body post-shower. Follow this skin ritual daily for maximum hydration to the skin.

PUPILS TIMES

Friday, 6 March to 12 March 2026

PM Modi, Alexander Stubb Hold Talks to Deepen India-Finland Partnership

New Delhi : Prime Minister Narendra Modi on Thursday held bilateral discussions with Finnish President Alexander Stubb at Hyderabad House, focusing on expanding cooperation across key sectors and strengthening strategic ties.

According to the Ministry of External Affairs, the talks covered trade, technology, innovation and collaboration in multilateral forums, alongside regional and global developments. The Prime Minister also hosted a luncheon in honour of the visiting leader.

Earlier, External Affairs Minister S. Jaishankar met President Stubb ahead of the summit-level engagement. The Finnish President also paid homage at Rajghat and is scheduled to deliver the keynote address at the Raisina Dialogue. During his three-day State Visit, President Stubb will call on Droupadi Murmu and engage with political and business leaders in Mumbai, underscoring efforts to enhance economic and technological cooperation. The visit signals renewed momentum in India-Finland relations, anchored in shared democratic values and expanding engagement across the EU and Nordic region. Ameya Sathaye is the Publisher and Editor-in-Chief of Sarkaritel.com, a leading portal focusing on government policies, programs, and contacts.

Iran crisis: Airfare hike hits stranded Indians

Mumbai: The escalating conflict in the Middle East has triggered a major aviation crisis, leaving tens of thousands of Indian nationals stranded and sparking outrage over sharply rising airfares.

While Indian and international carriers have launched special repatriation flights, travellers say ticket prices have surged, with some economy seats priced at levels typically seen for first-class international travel. The situation intensified this week after the Iran-Israel-US conflict led to the closure of key airspaces over Iran, Jordan and the United Arab Emirates (UAE). With more than 1,600 flights cancelled since hostilities began, demand for the limited number of operational and relief flights has surged.

Indian airlines are operating special flights from several Middle Eastern airports including Dubai, Abu Dhabi, Fujairah, Ras Al Khaimah and Muscat, subject to approvals from aviation authorities and evolving geopolitical conditions. However, travel agents and passengers say the cost of returning to India has become unaffordable for many workers. Passengers said one-way economy tickets on these special flights from Dubai or Jeddah to India, which usually cost between Rs11,000 and Rs18,000, are currently being quoted between Rs70,000 and Rs1 lakh.

The sharpest rise was recorded on Air India Express flight IX-1113 from Muscat to Mumbai on Friday, priced at Rs69,899 compared with the usual fare of about Rs6,794, reflecting an increase of 928%. SpiceJet's Fujairah-Mumbai flight scheduled for Friday showed a fare of Rs86,056 against the regular Rs9,200, marking an 835% rise.

"The Future of Surgery: The 3D Human Modeling Revolution"

Our Cognitive Power

Dr. Arvindsingh Rana
MBBS, DNB (General Surgery)
General & Laparoscopic Surgeon | Coloproctologist FACRSI, FMAS, FIAGES

In a recent statement he said, Only those who understand the grace of bowing can truly wear the crown.

Until a few years ago, surgery was challenging and risky. Doctors relied mainly on 2D imaging like X-rays, CT scans, and MRIs. The complex structure of a patient's organs often made operations difficult and uncertain.

However, in 2026, a new revolution has emerged in the field of healthcare — Three-Dimensional Human Modeling and Surgical Simulation. Doctors now first create a complete 3D digital model of the patient. It shows the heartbeat, lung expansion, muscle movements, and even the structure of blood vessels. This is not just a map of the body, but a precise representation of the actual dynamics of the organs .

Surgeons use this model to practice virtual surgeries. They can test every incision and cut, choose the safest path to remove a tumor, and minimize blood loss. This greatly increases precision during real operations and significantly reduces risks. For patients, this technology is a boon. Surgeries are less painful, safer, and recovery is faster. Only the diseased tissue is removed while healthy tissue is preserved. For medical students and junior surgeons, it also provides an opportunity for virtual practice and training without experimenting on real patients.

In the future, AI-assisted 3D models will be capable of planning surgeries and predicting outcomes. Nano-robots may directly target specific tissues, and through digital twins, expert surgeons will be able to guide operations remotely.

Thus, 3D Human Modeling and Surgical Simulation have redefined surgery in healthcare. They enhance the safety and quality of treatment for patients while making operations more precise, safe, and successful for surgeons. This technology represents a revolutionary leap, establishing the foundation for the future of surgery.

LIC
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
"With you in life, and after life"

POPULAR LIC PLANS:
- Jeevan Labh — Limited Premium, High Returns
- New Children's Money Back — Secure Your Child's Future
- Jeevan Umang — Whole Life Cover + Pension Benefits
- Bima Jyoti — Guaranteed Additions, Safe Growth
- Also Available – Complete Financial Planning Guidance

KEY BENEFITS:
- Life Insurance + Savings Plan
- Child Education and Marriage Planning
- Retirement Planning
- Tax Benefits Available

भारतीय जीवन बीमा निगम
"जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के वाद भी"

FREE POLICY CONSULTATION

LIC Agent
Archana Shukla
+91 91129 39085
+91 74998 67628
Shop No. 2, Near Vithal Mandir, New Vadavali Chowk, Badlapur (West) – 421503
LIC Agent ID: 04497939

Forest tag on 42,242 ha: Govt to approach SC

Mumbai: The Maharashtra government will approach the Supreme Court seeking relief over the 'forest' tag imposed on 42,242 hectares of land in Sindhudurg district, revenue minister Chandrashekhar Bawankule announced in the Assembly on Wednesday. The forest classification has stalled development works and created serious issues for farmers whose lands have been affected by the categorisation in the coastal district, he said while responding to a question raised by Nilesh Rane of Shiv Sena.

PUPILS TIMES
Core Committee

Anurag Shukla
Chief Editor

Shivprakash Pandey
Chief Publisher

Vikas Maurya
Co Publisher

Address: Shop No. 3, Khatri NX Apr t., Valivali, Badlapur (West) - 421503
Contact: 9004331751
Web: pupilstimes.com

(The editor does not necessarily agree with the news, articles, and advertisements published in this issue. Any disputes are subject to the jurisdiction of the Mumbai courts.)

Printed, Published & Owned by : **ANIL MISRA,** Printed at **JAGRUTI PRINTERS,** BYCULLA SERVICE INDUSTRIAL ESTATE 1ST FLOOR, B-101, D.K. CROSS MARG, NEAR RANIBUAG, MUMBAI, MAHARASHTRA - 400027. **Published at:** 94, 1/3 JAI JAWAN VASAHAT, SHIVSHRUSHTI ROAD, KURLA (EAST), MUMBAI - 400024 (MAHARASHTRA)
Editor - **ANIL MISRA** Mob: **92208 68564** **Email:** anilmisrapc@gmail.com **PRGI. No.: MHMUL/25/A2419**